International Indexed & Referred Research Journal, March, 2012. ISSN- 0975-3486, RNI-RAJBIL 2009/30097;VoL.III *ISSUE-30

शोध पत्र- मनोविज्ञान

March, 2012

बालक एवं बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन पर चलचित्रों का प्रभाव

* डॉ. ममता अवस्थी ** कु. स्वाति गोयल

* विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग, होली क्रॉस वूमेन्स कॉलेज, अम्बिकापुर, ** एम. ए. अतिम वर्ष

ik;% eY;ks d s fodkl ,o vfHkxg.k dh ifd;k e vud dkjd fØ;k'khy jgr gA lkekftd vUr% fØ;k;s rFkk i;koj.k eY; vfHkxg.k dju e egRoi.k Hkfedk fuHkkr gA pyfp=k dk iHkko 0;fDr d 0;ogkj dk fdl idkj iHkkfor dj jgk g] ;g vkt d ;x e lofofnr gA ;gh ugh pyfp= 0;fDr d eY;k dk iR;{k vkj viR;{k :i e Hkh iHkkfor djr gA ckyd o ckfydkvk dk ey LoHkko dk iHkkfor dju okyk lcl egRoi.k lk/ku pyfp= gA ftldk lh/kk iHkko tu ekul ,o mud 0;fDrxr] lkekftd] ufrd ,o /kkfed eY;k ij iR;{k :i l iMk gA bl iHkko l ckY;koLFkk ,o fd'kkjkoLFkk ij lokf/kd n[kk tk ldrk g iLrr 'kk/k dk;l dk mnn'; ckyd ,o ckfydkvk d iHkkfor gku oky eY;k dk v/;;u djuk gA ftl grq d{kk X;kjgoh ,o ckjgoh d ckyd ,o ckfydkvk dk fyx] tkfr ,o {k=h;rk d vk/kkj ij ;knfPNd fof/k l ljxq tk ftyk d fofHkUu fo|ky;k l p;fur fd;k x;kA vkdMk ,o ifj.kkek dk lk[;dh; fo'y"k.k dju grq e/;eku] ieki fopyu] ,o Økfrd vuqikr dh x.kuk dj vkj[kh; in'ku fd;k x;kA

कुंजी शब्द : मूल्य अभिग्रहण, चलचित्र

Hkfedk %&

चलचित्र मनोरंजन का सशक्त साधन है जिसे सभी वर्ग के लोग देखते हैं। अतः उनके द्वारा किया गया प्रचार शीघ्रतापूर्वक जनसाधारण में प्रसारित हो जाता है तथा मनोविज्ञान ढंग से प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। चलचित्र श्रव्य और दृश्य माध्यम है जिसके द्वारा कथानक के पात्रों के साथ घटित होते हुए जीवन्त रूप में दिखाया जा सकता है। इसलिए यह समाचार–पत्रों अथवा रेडिया आदि से अधिक प्रभावशील है। चलचित्रों के नायक–नायिकाओं के साथ इतना अधिक आत्म–तादात्मय महसूस करता है कि वह उनके साथ सुख व दुःख अनुभूमि करने लगता है। सहनुभूति का तत्व इस क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय रहता है। यही कारण है कि व्यापारिक एंव औद्योगिक संस्थान अपनी वस्तुओं की बिक्री वृद्धि के लिये विज्ञापनों शैक्षिक संस्थान शिक्षण–तकनीक के रूप में तथा सरकार विभिन्न गतिविधियों के प्रति जनता की जागरूकता बढ़ाने के लिये चलचित्र के माध्यम का व्यापाक प्रयोग करते है जिसका जनमानस पर सकारात्मक व नकारात्मक दोनो प्रभाव पड़ता है।

फैशन व अन्य नवीन वस्तुओं के प्रसार में चलचित्र अत्यन्त सहायक सिद्ध होते हैं। चलचित्रों के माध्यम से अनेक सूचनाएं व जानकारियां प्राप्त होती है जो कि लोगों की मनोदशा में परिवर्तन लाती है। चलचित्र का क्षेत्र काफी विस्तृत होता है। यह असंख्य लोगों में फैला है जिसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक एवं नकारात्मक रूप से बच्चों एवं युवाओं पर दिखाई पड़ता है। चलचित्रों के माध्यम से लोगों के कार्य व्यवहार एवं व्यक्तिगत व्यवहार में परिवर्तन होता है।

^^orZeku 'kks/k dk;Z dk mn~ns';**

चलचित्र मनोरंजन का सर्वोत्तम साधन है। जिसे सभी वर्ग के लोग देखते है। अतः इनके द्वारा किया गया कोई भी प्रचार शीघ्रतापूर्वक जनसाधारण में प्रसारित हो जाता है तथा इसका प्रभाव लोगों पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है। अतः मूल्यों के परिवर्तन में चलचित्रों के प्रभाव के अध्ययन करने हेतु वर्तमान समस्या का चयन किया जोकि हमें यह ज्ञात हो कि आज किस हद तक बच्चों, युवाओं व अन्य लोगों एवं उनके मूल्यों मे परिवर्तन में चलचित्र कार्यक्रम द्वारा निर्धारित हो रहे है। अतः पूर्व अनुसन्धानों एवं पत्रों में प्रकाशित लेखों के आधार पर ''कि क्या चलचित्र मूल्यों के अभिग्रहण परिवर्तन को प्रभावित करते है'' शोध प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास किया गया हैं।

iwoZ vuqla/kku

इस संदर्भ में विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अनेक अध्ययन किये हैं। बैण्डरा एवं रास (1974) ने अपने अव्यव के आधार पर यह बतलाया कि उन बच्चों में आक्रामक व्यवहार की संख्या बढ़ गयी जिन्हें टेलीविजन पर आक्रामक दृश्य वाले फिल्म दिखलाये गये थे जबकि जिन बच्चों को ऐसा फिल्म देखने का मोका नहीं मिला था, उनमें आक्रामकता में कोई वृद्धि नहीं आयी थी। हॉसमेन और मिलर (1994), लिबर्ट, नील्स और डेविसन (1973) में यह देखा गया कि बच्चों का मूल स्वभाव है कि जो वो देखते है उसे अपने क्रियाकलापों एवं खेलों में उसकी नकल करते है और इस स्वभाव को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण टेलीविजन है।''

एक अध्ययन में डॉ0 नीना बोहरा का कहना है कि बच्चों द्वारा काफी निकट से देर रात तक टी.वी. पर कार्यक्रम देखने से निम्नलिखित समस्याएं हो रही है :– (1) चिड़चिड़ापन (2) तनाव (3) अविधा (4) अवसाद (5) मानसिक विकार। ''पिछले दिनों ''दिल्ली से एक सर्वेक्षण'' से पता चला कि भारतीय बच्चे सप्ताह में 50 से 60 घण्टे टीवी के कार्यक्रम देखने में बिताते है। इस वजह से बच्चों में तनाव, बेचैनी, रूकावट आदि के लक्षण दिखाई दे रहे है।'' एक अध्ययन में (शेरिफ और शेरिफ 1963) में यह देखा गया कि ''आज के अत्यधिक जटिल समाज में व्यक्ति

और समूह दोनों की सम्प्रेषण की विधियों और अपनी अभिवृत्तियों का निर्माण करने का प्रयत्न करते है। समाचार पत्र – पत्रिकाएं, पुस्तके, रेडिया और टेलीविजन लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। फिशबैक और सिंगर, फ्रीडमैन ने अपने अध्ययनों में यह जानने का प्रयास किया कि फिल्मों और टेलीविजन में जो हिंसात्मक प्रदर्शन दिखाए जाते हैं वह किस प्रकार से दर्शकों में हिन्सात्मकता और आक्रामकता को बढ़ावा देते हैं। बर्की विटस का विचार है कि जब दर्शक टेलीविजन और फिल्मों में हिंसा और आक्रामकता संबंधी दृश्य देखते हैं जब उनका संज्ञान और फलस्वरूप दर्शकों के आक्रामक और हिंसात्मक विचार प्रभावित होते है।

midYiuk ¼& 1.बालक एवं बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन पर चलचित्रों का प्रभाव पड़ेगा। 2.मूल्यों के अभिग्रहण परिवर्तन में आदिवासी एवं गैर आदिवासी बालक एवं बालिकाओं के मध्यमानों मे सार्थक अंतर होगा। 3. ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बालक बालिकाओं मूल्य अभिग्रहण के मध्यमानों में सार्थक अंतर होगा।

4.बालकों के मूल्य बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

U;k; forj.k i.k:i

'kks/k fof/k ¼&

वर्तमान शोध कार्य में ''सरगुजा'' जिले के बालक एवं

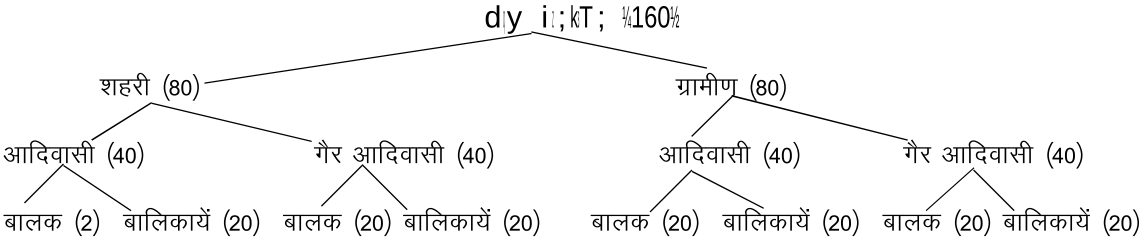

बालिकाओं में मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन में चलचित्रों के प्रभाव के अध्ययन हेतु बालक एवं बालिकाओं को यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित किया गया। शहरी क्षेत्र से 40 आदिवासी एवं 40 गैर आदिवासी बालक व बालिकाओं को लिया गया। ठीक इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के 80 छात्र, छात्राओं में से 40 आदिवासी छात्र छात्राओं एवं 40 गैर आदिवासी छात्र छात्राओं को लिया गया मूल्य अभिग्रहण मात्र हेतु ''महालक्ष्मी ओझा एवं डॉ. राजकुमार ओझा'' द्वारा निर्मित ''मूल्य अभिविन्यास परीक्षण'' को सामूहिक रूप से प्रशासित किया गया। परिणामों की सार्थकता एवं सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु प्रमाण विचलन प्रमाण त्रूटि एवं क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई। प्राप्त परिणामों को अधिक स्पष्ट व सरल रूप से प्रदर्शित करने हेतु आरेखीय चित्रण का उपयोग किया गया।

ifj.kke ¼&] देखे तालिका 1 के परिणाम के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यों के अभिग्रहण की तुलना लिंग, जाति व क्षेत्र के आधार पर की गई। लिंग के आधार पर छात्राओं के सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, धार्मिक एवं सैधान्तिक मूल्य छात्रों की अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित हुए। जबकि छात्रों के राजनैतिक एवं आर्थिक मूल्यों पर चलचित्रों का प्रभाव अधिक पड़ा। गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक मूल्यों पर चलचित्रों का छात्राओं का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ा। जहां एक ओर शहरी छात्रों के सामाजिक, सौन्दर्यात्मक आर्थिक एवं सौधांतिक मूल्य अधिक प्रभावित हुए। शहरी छात्राओं के धार्मिक, राजनैतिक एवं सैधांतिक मूल्यों पर चलचित्रों का प्रभाव अधिक पड़ा। ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर छात्राओं के मूल्य अभिग्रहण परिवर्तन का सामाजिक, सौन्दर्यात्मक, धार्मिक, आर्थिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ा। वहीं दूसरी ओर छात्रों के सामाजिक, राजनैतिक, सैधांतिक मूल्य सर्वाधिक प्रभावित हुए। चलचित्रों का मूल्यों के अभिग्रहण में प्रभाव की तुलना करने पर लिंग एवं जाति के आधार पर सौधांतिक मूल्य तथा क्षेत्रीय आधार पर राजनैतिक मूल्य सर्वाधिक प्रभावित हुए। अतएव प्रथम उपकल्पना बालक एवं बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन पर चलचित्रों का प्रभाव पड़ेगा, सत्य सिद्ध हुई। **ns[ks rkfydk 2**

तालिका 2 के परिणाम के अनुसार आदिवासी व गैर आदिवासी – बालक व बालिकाओं का मध्यमान M=829.9>818.3, क्रान्तिक अनुपात –4.3 प्राप्त हुआ जो कि तालिका मूल्य .01=2.60<-4.3 से अधिक है। अतः द्वितीय उपकल्पना कि '' मूल्यों के परिवर्तन में आदिवासी एवं गैर आदिवासी बालक एवं बालिकाओं के मध्यमानों में सार्थक अंतर होगा'' सिद्ध हुई। **ns[ks rkfydk 2**

तालिका 3 में ग्रामीण क्षेत्र के बालक बालिकाओं का मध्यमान M=103.543>102.456 शहरी क्षेत्र के मध्यमान से प्रमाप विचलन कमशः 5.674 एवं 442.05 प्राप्त हुआ तथा क्रान्तिक अनुपात 87.08 प्राप्त हुआ जो कि .01=2.60 तालिका मूल्य से अधिक हैं। अतः तृतीय उपकल्पना सिद्ध हुई कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बालक बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के मध्यमानो में सार्थक अंतर होगा। **ns[ks rkfydk 4**

तालिका 4 के अनुसार बालकों का मध्यमान M=208.287>165.96 अधिक प्राप्त हुआ बालिकाओं के मध्ययमान से तथा क्रान्तिक अनुपात 36.886 प्राप्त हुआ जो कि तालिका मूल्य .01 त्र 2ण्60ढ36ण्886 से अधिक है। अतः चौथी उपकल्पना कि ''बालको के मूल्य बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे'' सिद्ध हुई।

ifj.kkeksa dh fo'ys"k.k ,oa O;k[;k ¼&

तालिका 1 के प्राप्त परिणामों के आधार पर चलचित्रों का मूल्यों के अभिग्रहण में प्रभाव की तुलना करने पर लिंग एवं जाति के आधार पर सैधांतिक मूल्य तथा क्षेत्रीय आधार पर राजनैतिक मूल्य सर्वाधिक प्रभावित हुए। प्रथम उपकल्पना विरुद्ध

rkfydk & 1 fyax] tkfr {k= dk vk/kkj ij eY; vfHkfoxg.k ikIrkd

N=160

Sex	Caste	no.	S(Mean)	A(Mean)	R(Mean)	E(Mean)	P(Mean)	T(Mean)
Boys	Male	80	16.97	17.72	16.675	13.2	18.537	19.3
Girls	Female	80	17.22	17.612	18.75	10.87	17.162	22.012
	N	160	17.1	18.23	17.71	12.037	17.85	20.65
Boys	Tribal	40	16.1	18.05	14.9	13.55	180.05	20.175
Girls		40	16.7	17.77	19.65	10.55	14.975	22.025
Boys	Non Tribal	40	17.85	17.4	18.45	12.85	19.025	41.42
Girls		40	17.75	17.45	17.85	11.2	16.85	22
	N	160	17.1	17.668	17.712	12.037	17.22	20.656
Boys	Urban	40	34.45	35.32	33	23.95	29.875	38.22
Girls		40	33.35	34.825	37.3	21.75	32.27	43.275
Boys	Rural	40	32.3	12.225	34.8	19.45	37	49.05
Girls		40	28.7	35.2	35.97	34.77	36.8	39
	N	160	0.8059	0.7348	0.8816	0.6245	135.945	1.0596

Area

S = Social P = Political
A = Aesthetic E = Economical
R = Religious T = Theoretical

rkfydk & 2 tkfr dk vk/kkj ij eY; vfHkxg.k dk e/;eku] ikek fopyu ,o Økfrd vuikr

	N	M	SD	S.Ed	CR	Significant
आदिवासी	80	818.3	70.82	25.179	–4.3	सार्थक अंतर है।
गैर आदिवासी	80	829.2	436.37			

P value = 01 = 2-60<-4.3

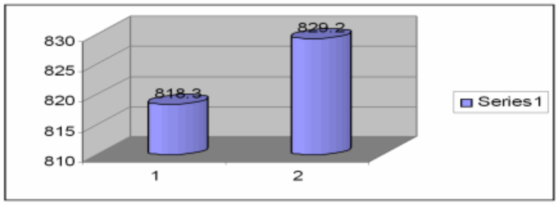

rkfydk & 3 {k= dk vk/kkj ij eY; vfHkxg.k dk e/;eku] ikek fopyu ,o ØkfUrd vuikr

	N	M	SD	S.Ed	Significant
ग्रामीण	80	103.543	5.674	2.3655	सार्थक अंतर है।
शहरी	80	102.456	442.05		

P value = .01 = 2.60<87.08

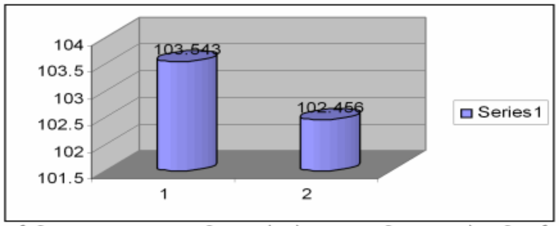

हुई कि ''बालक एवं बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन पर चलचित्रों का प्रभाव पड़ेगा'' इसका मुख्य कारण है कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों पर समयनुसार हो रहे परिवतनों का उनके सोंच विचार, मूलभूत मान्यतायें वैचारिक क्रान्ति सामाजिक, आर्थिक उतार–चढ़ाव पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव सौन्दर्यात्मक व धार्मिकता के प्रति उनके दृष्टिकोण मे परिवर्तन आया जिस कारण लोगों के सैधांतिक मूल्य अधिक परिवर्तित हुए।

क्षेत्रीय आधार पर छात्राओं कि अपेक्षाकृत छात्रो के आर्थिक एवं राजनैतिक मूल्य अधिक प्रभावित हुए क्योंकि छात्रों मे बर्हिमुखता, सत्ता प्रियता व समाज मे अपनी पहचान बनाने

rkfydk & 4 fyax dk vk/kkj ij e/;eku] ikek fopyu ,o ØkfUrd vuikr dh x.kuk

	N	M	SD	S.Ed	CR	Significant
बालक	80	208.287	44.701	1.14750	36.886	सार्थक अंतर है।
बालिकायें	80	165.96	6.0642			

P value = .01 = 2.60<36.886

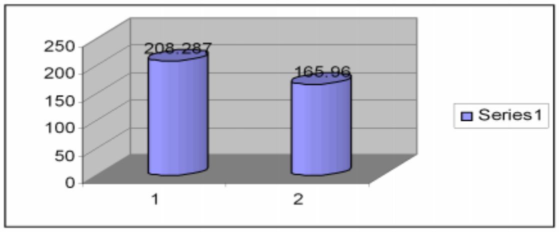

के लिए व आर्थिक रूप से धन अर्जन करने के लिए प्रयासरत रहते है। तालिका 2 के प्राप्त परिणामों मे जाति के आधार पर आदिवासी की तुलना मे गैर आदिवासी के मूल्य अभिग्रहण चलचित्रों से अधिक प्रभावित हुए। उपकल्पना सत्य सिद्ध हुए कि ''मूल्यों के परिवर्तन मे आदिवासी एवं गैर आदिवासी बालक एवं बालिकाओं के मध्यमानों मे सार्थक अंतर होगा। तथा तालिका 3 के परिणामों मे क्षेत्र के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के बालक बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण शहरी क्षेत्रों के बालक, बालिकाओं को अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित हुए, उपकल्पना सत्य सिद्ध हुई कि ''ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बालक बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के मध्यमान के सार्थक अंतर होगा। इसका कारण यह है, कि ग्रामीण क्षेत्रो में मनोरंजन के साधनों मे कमी पाई जाती है।

साधन सीमित मात्रा में उपलब्ध होते है। जिससे लोग चलचित्रों की ओर अधिक अग्रसर होते है। व चलचित्रों मे प्रसारित होने वाले कार्यक्रम से अधिक प्रभावित होते है। जिससे लोगो के मूल्य अभिग्रहण मे तेजी से परिवर्तन दिखाई देता है। बालकों को इरसंचार के साधन आसानी से उपलब्ध हो जाते है। सामाजिक व सामूहिक गतिशीलता के कारण अन्य लोगों के साथ आसानी से संपर्क स्थापित कर लेते है जिसके फलस्वरूप बालिकाओं मे परिवर्तन होता है।

तालिका 4 के परिणाम मे लिंग के आधार पर

बालिकाओं की अपेक्षाकृत बालकों के मूल्य अभिग्रहण परिवर्तन मं चलचित्रों से अधिक प्रभावित हुए। उपलकल्पना सत्य सिद्ध हुए कि ''बालकों के मूल्य बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे'' इसका कारण यह है कि बालको का संपर्क बाहरी वातावरण व समाज के लोगों के साथ अधिक विस्तृत व समाज के लोगों के साथ अधिक विस्तृत होता है व बालक बालिकाओं की अपेक्षा बर्हिमुखी व स्पष्टवादी होते है।

fu"d"k

1.बालक एवं बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण के परिवर्तन पर चलचित्रों का प्रभाव पड़ा। (i) छात्राओं के सौन्दर्यामक, धार्मिक एवं सौधांतिक मूल्य चलचित्रो से अधिक प्रभावित हुये। (ii) छात्रों के राजनैतिक एवं आर्थिक मूल्यों पर अधिक प्रभाव पड़ा। (iii) गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक मूल्य गैर आदिवासी छात्राओं की अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित हुये।(iv) ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं के सैद्धांतिक मूल्योंपर अधिक प्रभाव पड़ा। (v) लिंग के आधार पर छात्रों के सैद्धांतिक मूल्य चलचित्रों से अधिक प्रभावित हुये।

2.मूल्यों के अभिग्रहण परिवर्तन में आदिवासी एवं गैरआदिवासी बालक एवं बालिकाओं के मध्यमानों मे अंतर पाया गया।

3.क्षेत्र के आधार पर बालक बालिकाओं के मूल्य अभिग्रहण में अंतर पाया गया।

4.बालकों के मूल्य बालिकाओं की अपेक्षा अधिक प्रभावित हुए।

संदर्भ ग्रंथ

1. 'सिंह' अरूण कुमार (2002) समाज मनोविज्ञान की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसी दास नई दिल्ली, पेज नंबर 451–453 2. 'माथुर' एस.एस. (1963) समाज मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, समाज मनोविज्ञान जनमत निर्माण का साधन, चलचित्र पेन नंबर 478–479 3. 'महाजन' संजीव (2008) समाज मनोविज्ञान, चलचित्र, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, (नई दिल्ली) पेज नंबर 292 4.मूल्य अभिविन्यास परीक्षण मैनुअल 5.परम मूज्य संत श्री आसाराम श्री बापू, बाल संस्कार चलचित्रों का प्रभाव पेज नंबर 59–61 6.रोबर्ट ए.एण्ड बायर्न डॉन (1995) Prentica Hall of Indian private limited, पेज नं. 105–106 7. सिंह पाण्डेय, श्रीवास्तव (1982) आधुनिक समाज मनोविज्ञान, हर प्रसाद भार्गव, पेज नं. 476